# Scheme of Examination of MA 1st, 2nd, 3rd and 4th Semester( Sanskrit)

| Semester | Paper No. | Nomenclature | Total marks | Theory | Internal Assessment | Time |
|---|---|---|---|---|---|---|
| Sem-1 | Paper-I | Sanhita Sahitya Evam Vaidik Vyakaran | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | Paper-II | Sanskrit Vyakaran | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | Paper-III | Sankhya Evam Nyaya | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | Paper-IV | Laukik Sanskrit Sahitya | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | Paper-V | BhashaVijnan | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| Sem-II | Paper-VI | Brahman Upanishad Evam Vedang Sahitya | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | Paper-VII | Sanskrit Vyakaran | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | Paper-VIII | Vedanta Evam Mimamsa | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | Paper-IX | Laukik Sanskrit Sahitya | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | PaperX | BhashaVijnan | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| Sem-III | Paper-XI | Sanskriti Evam Dharmashastra(1) | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| Option-A | Paper-XII(A) | Vyakaran Shahtra Ka itihas | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | Paper-XIII(A) | PrachyaVyakaran (Kashika) | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | Paper-XIV(A) | Siddhant Kaumudi (Tinant Prakaran) | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | Paper-XV(A) | Mahabhashya | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| Option-B | Paper-XII(B) | Vaidik Darshan | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | Paper-XIII(B) | Charvak, Jain | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Evam Bauddha Darshan | | | | |
| | **Paper-XIV(B)** | Sankhya Darshan | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | **Paper-XV(B)** | Yoga Darshan | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| Option-C | Paper-XII(C) | Padya Sahitya(1) | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | Paper-XIII(C) | Natya Sahitya(1) | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | Paper-XIV(C) | Gadya Sahitya (1) | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | Paper-XV(C) | Kavya Shastra(1) | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| Option-D | Paper-XII(D) | Rigveda Evam Yajurved Sanhita | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | Paper-XIII(D) | Samaveda Evam Atharvaveda Sanhita | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | Paper-XIV(D) | Brahman Sahitya | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | Paper-XV(D) | Vaidik Sahitya ka Itihas | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| Sem-IV | Paper-XVI | Sanskriti Evam Dharma Shastra(2) | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| Option-A | Paper-XVII(A) | Siddhant Kaumudi (Subant, Kritya Evam Taddhit Prakaran) | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | Paper-XVIII(A) | Unadipath Evam Linganushashan | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | Paper-XIX(A) | Siddhant Kaumudi (Samas Evam Prakriya) | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | Paper-XX(A) | Vykaran Darshan | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| Option-B | Paper-XVII(B) | Nyaya-Vaisheshik Darshan (Prachya) | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | Paper- | Nyaya- | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | XVIII(B) | Vaisheshik Darshan (Navya) | | | | |
| | **Paper-XIX(B)** | Mimamsa Evam Vedanta Darshan | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | **Paper-XX(B)** | Ramanuj Evam Dayanand Darshan | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| Option-C | Paper-XVII(C) | Padya Sahitya(2) | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | Paper-XVIII(C) | Natya sahityS(2) | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | Paper-XIX(C) | Adhunik Sanskrit Sahitya | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | Paper-XX(C) | Kavya Shastra(2) | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| Option-D | Paper-XVII(D) | Shraut Sutra Sahitya | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | Paper-XVIII(D) | Grihya Sutra Sahitya | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | Paper-XIX(D) | Dharmasutra Evam Shulbasutra | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |
| | Paper-XX(D) | Vaidik Adhyayan Parampara | 100 | 80 | 20 | 3 Hrs |

# एम0ए0 (संस्कृत) परीक्षा–पाठ्यक्रम
## प्रथम सामिसत्र
## M.A.SANSKRIT (Semester – I)

**2009.10**

संस्कृत एमण एण परीक्षा के प्रथम सामिसत्र के पाठ्यक्रम में पांच पत्र निर्धारित हैं। प्रत्येक पत्र को चार घटकों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक घटक 20 अंक का है। परीक्षा का समय 3 घण्टे है। परीक्षार्थी सस्कृत, हिन्दी तथा अंग्रेजी भाषा में से किसी एक भाषा को माध्यम बनाकर उत्तर लिखने में स्वतंत्र है।

### प्रथम पत्र
### संहितासाहित्य एवं वैदिकव्याकरण

समय : **3** घण्टे पूर्णांक 80

| | | |
|---|---|---|
| घटक–ए | ऋग्वेद सूक्त<br>अग्नि(1.1); विष्णु(1.54); इन्द्र(2.12); सविता(4.54);<br>अश्विनौ(7.71)पुरुष(10.90); हिरण्यगर्भ(10.121);<br>नासदीय(10.129); | 20 |
| घटक–बी | अथर्ववेद (शौनक संहिता)<br>मेधाजनन (1.1); अपां भेषजम् (1.6);<br>प्रजाभिः राज्ञः संवरणम् (3.4); ब्रह्मचर्य (11.5);<br>भूमि (12.1.1–25 मन्त्र) | 20 |
| घटक–सी | शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिनसंहिता)<br>अध्याय– 23 (1–16 मन्त्र)<br>अध्याय – 36 | 20 |
| घटक–डी | वैदिक व्याकरण एवं व्याख्यापद्धति<br>(क) सौवर (महर्षि दयानंद सरस्वती)<br>(ख) वैदिकव्याख्यापद्धति (प्राचीन एवम् अर्वाचीन) | 20 |

**दिशानिर्देश –**

**नोट** – 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में सें दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक–ए | (क) चार में से दो मंत्रों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक–बी | (क) चार में से दो मंत्रों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक–सी | चार में से दो मंत्रों की व्याख्या | 16 |
| घटक–डी | (क) सौवर– आठ में से चार सूत्रों की व्याख्या | 8 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 8 |

**अनुशंसित ग्रन्थ –**


1. ऋक्सूक्तसंग्रह– कृष्ण कुमार एवं हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
2. शुक्ल यजुर्वेद भाष्य–उव्वट–महीधर कृत
3. ऋग्वेद, यजुर्वेद एवं अथर्ववेद का सुबोध भाष्य– श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, पारडी
4. ऋग्वेद एवं यजुर्वेद भाष्य–महर्षि दयानन्द सरस्वती, वैदिक यन्त्रालय, अजमेर
5. ऋग्वेद सायण भाष्य, विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोध संस्थान, होशियारपुर, पंजाब
6. टमकपब ौ मसमबजपवदए ।ण।ण डमबकवदमससए डवजपसंस ठंदंतेपकेंए क्मसीपण
7 भ्लउदे वि जीम ।जींतअंअमकंए डण ठसववउपिमसक
8 टमकपब त्मंकमत वितेजनकमदजेए ।ण।ण डंबकवदमसस
9. वैदिक संग्रह एवम् व्याख्या – बलदेव सिंह मेहरा
10. यास्कप्रणीत निरुक्त, कपिलदेव शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ।
11. पिंगलप्रणीत छन्दः शास्त्र, गुरुकुल महाविद्यालय, झज्जर, हरियाणा
12. सौवरः, महर्षि दयानन्द सरस्वती, वैदिक यन्त्रालय, केशरगंज, अजमेर राजस्थान

# द्वितीय पत्र
## संस्कृत व्याकरण

समय : 3 घण्टे पूर्णांक 80

| | | |
|---|---|---|
| घटक–I | लघुसिद्धान्तकौमुदी – संज्ञाप्रकरण, संधिप्रकरण, स्त्रीप्रत्ययप्रकरण | 20 |
| घटक–II | लघुसिद्धान्तकौमुदी – सुबन्तप्रकरण<br>अजन्त पुंल्लिंग– राम, सर्व, हरि, सखि, बहुश्रेयसी, प्रधी, क्रोष्टु, गो<br>अजन्त स्त्रीलिंग – रमा, सर्वा, मति, त्रि<br>अजन्त नपुंसकलिंग – ज्ञान, वारि, दधि<br>हलन्त पुंल्लिंग – दुह्, विश्ववाह्, अनडुह्, मघवन्, किम्, इदम्, युष्मद्, अस्मद्<br>हलन्त स्त्रीलिंग – चतुर्, किम्, इदम्<br>हलन्त नपुंसकलिंग – किम्, इदम्, ददत्, तुदत् | 20 |
| घटक–III | लघुसिद्धान्तकौमुदी<br>समास प्रकरण – अव्ययीभाव, तत्पुरुष, बहुव्रीहि, द्वन्द्व | 20 |
| घटक–IV | लघुसिद्धान्तकौमुदी<br>तद्धित प्रकरण – चातुर्र्थिक पर्यन्त | 20 |

**दिशानिर्देश –**

**नोट** – 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में सें दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक–I | (क) आठ में से चार रुपों की सिद्धि | 10 |
| | (ख) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या | 6 |
| घटक–II | (क) आठ में से चार रुपों की सिद्धि | 10 |
| | (ख) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या | 6 |
| घटक–III | (क) आठ में से चार रुपों की सिद्धि | 10 |
| | (ख) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या | 6 |
| घटक–IV | (क) आठ में से चार रुपों की सिद्धि | 10 |
| | (ख) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या | 6 |

**अनुशंसित ग्रन्थ –**

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार– धरानन्द शास्त्री
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार– महेशसिंह कुशवाहा
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – ईश्वर सिंह
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – भीमसेन शास्त्री

# तृतीय पत्र
## सांख्य एवं न्याय

समय : 3 घण्टे पूर्णांक 80

| | | |
|---|---|---|
| घटक–I | सांख्यकारिका, ईश्वरकृष्ण (कारिका 1–25) | 20 |
| घटक–II | सांख्यकारिका, ईश्वरकृष्ण (कारिका 26–72) | 20 |
| घटक–III | तर्कभाषा, केशवमिश्र (आरम्भ से अनुमान प्रमाण पर्यन्त) | 20 |
| घटक–IV | तर्कभाषा, केशवमिश्र (उपमान प्रमाण से प्रामाण्यवाद पर्यन्त) | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट–** 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक–I | (क) चार में से दो कारिकाओं की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न | 6 |
| घटक–II | (क) चार में से दो कारिकाओं की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न | 6 |
| घटक–III | (क) चार में से दो संदर्भों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न | 6 |
| घटक–IV | (क) चार में से दो संदर्भों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न | 6 |

**अनुशंसित ग्रन्थ –**


1. सांख्यकारिका, व्याख्या– गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर
2. सांख्यकारिका, व्याख्या– रामकृष्ण आचार्य
3. सारंख्यकारिका, व्याख्या– ब्रजमोहन चतवुर्वेदी
4. सांख्यकारिका, व्याख्या– एच.एच. विल्सन (English Translation)
5. सांख्य सिद्धान्त, आचार्य उदयवीर शास्त्री
6. सांख्यदर्शन का इतिहास, आचार्य उदयवीर शास्त्री
7. तर्कभाषा, व्याख्या – डॉ. श्रीनिवास शास्त्री
8. तर्कभाषा, व्याख्या – आचार्य विश्वेश्वर
9. तर्कभाषा, व्याख्या – बद्रीनाथ शुक्ल
10. भारतीय न्यायशास्त्र – एक अध्ययन, ब्रह्ममित्र अवस्थी
11. न्याय वैशेषिक – धर्मेन्द्रनाथ शास्त्री
12. भारतीय दर्शन – राधाकृष्णन्
13. Classical Samkhya - G.J. Larson
14- Critique of Indian Realism- D.N. Shastri

# चतुर्थ पत्र
## लौकिक संस्कृत साहित्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक 80

| | | |
|---|---|---|
| घटक–I | त्रिपत्री (मेघदूत–गीतिनाटिका), डॉ. शिवप्रसाद भारद्वाज (1–3 दृश्य) | 20 |
| घटक–II | त्रिपत्री (मेघदूत–गीतिनाटिका), डॉ. शिवप्रसाद भारद्वाज(4–5 दृश्य) | 20 |
| घटक–III | शिशुपालवध (माघ) प्रथम सर्ग | 20 |
| घटक–IV | हर्षचरित (पंचम उच्छ्वास) | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट–** 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक–I | (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक–II | (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक–III | (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक–IV | (क) चार में से दो **गद्यांशों** की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |

**अनुशंसित ग्रन्थ –**


1. मेघदूत, व्याख्या– एम. आर. काले, मोतीलाल बनारसीदास
2. मेघदूत, व्याख्या– एस.के.डे., साहित्य अकादमी, दिल्ली
3. मेघदूत, व्याख्या–शिवराज शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार मेरठ
4. त्रिपत्री, शिवप्रसाद भारद्वाज, देवेश पब्लिकेशंस, रोहतक
5. हर्षचरित– अनु. जगन्नाथ पाठक, चौखम्बा, वाराणसी
6. संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय
7. Harsacharita of Banabhatta- Text and notes by P.V. Kane, Motilal Banarsidas, Delhi.

## पंचम पत्र
## भाषाविज्ञान

समय : 3 घण्टे पूर्णांक 80

| | | |
|---|---|---|
| घटक–I | (i) भाषा और भाषाविज्ञान का परिचय<br>(ii) विश्व की भाषाओं का वर्गीकरण (आकृतिमूलक एवं परिवारमूलक) | 20 |
| घटक–II | (i) भारोपीय भाषापरिवार का परिचय<br>(ii) इण्डो–इरानियन शाखा का परिचय | 20 |
| घटक–III | (i) संस्कृत, पालि, प्राकृत एवं अपभ्रंश का उद्भव, विकास और तुलनात्मक अध्ययन | 20 |
| घटक–IV | Sanskrit Computational Linguistics<br>(i) Introduction to Computer (ii) Input and output devices<br>(iii) MS Word (iv) Note pad<br>(v) Mail merge (vi) MS Power Point<br>(vii) Internet and e-mail | 20 |

**दिशानिर्देश –**

**नोट–** 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक–I | दो में से एक प्रश्न | 16 |
| घटक–II | दो में से एक प्रश्न | 16 |
| घटक–III | दो में से एक प्रश्न | 16 |
| घटक–IV | दो में से एक प्रश्न | 16 |

**अनुशंसित ग्रन्थ –**


1. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. भाषाविज्ञान, डॉ. कर्णसिंह, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
3.
4. संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन, भोलाशंकर व्यास
5. पदपदार्थ समीक्षा, डॉ. बलदेव सिंह, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन, कुरुक्षेत्र।
6- A Mannual of Sanskrit Phonetics by C. Uhlenbeck
7. Linguistic Introduction to Sanskrit by B.K. Ghosh.
8. An Introduction to Comparative Philology by P.D. Gune.
9- Sanskrit Syntax by J.S. Speijer, Motilal Banarsidass, Delhi.
10- Sanskrit Language, T. Burrow
11- Language, its nature, development and origin, O.Jesperson.
12- Essentials of Computer and Networking Technology, Nasib S. Gill.

# द्वितीय सामिसत्र

## M.A. SANSKRIT (Semester - II)

**2009–10**

संस्कृत एम. ए. परीक्षा के द्वितीय सामिसत्र के पाठ्यक्रम में पांच पत्र निर्धारित है। प्रत्यके पत्र को चार घटकों में विभाजित किया गया है प्रत्येक घटक 20 अंक का है। परीक्षा का समय 3 घण्टे है। परीक्षार्थी संस्कृत, हिन्दी तथा अंग्रेजी भाषा में से किसी एक भाषा को माध्यम बनाकर उत्तर लिखने में स्वतंत्र है।

## षष्ठ पत्र

## ब्राह्मण, उपनिषद् एवं वेदांग साहित्य

समय : 3घण्टे पूर्णांक 80

| | | |
|---|---|---|
| घटक–I | ब्राह्मणवाङ्मय<br>ऐतरेयब्राह्मण– अध्यायः 33 (शुनःशेपाख्यान)<br>शतपथ ब्राह्मण – 1.4.5.8–12 (वाङ्मनस् आख्यान) | 20 |
| घटक–II | उपनिषद्वाङ्मय<br>कठोपनिषद्, तैत्तिरीयोपनिषद् (शिक्षावल्ली) | 20 |
| घटक–III | वेदांग साहित्य<br>(क) यास्कप्रणीत – निरुक्त (अध्याय–1–2) | 20 |
| घटक–IV | वेदांग साहित्य<br>(क) निरुक्त (अध्याय–7)<br>(ख) पिंगलप्रणीत छन्दःशास्त्र (वैदिक छन्द अध्याय–2,3) | 20 |

**दिशानिर्देश –**

**नोट–** 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में सें दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक–I | चार सन्दर्भों में से दो की व्याख्या | 16 |
| घटक–II | चार सन्दर्भों में से दो की व्याख्या | 16 |
| घटक–III | (क) चार सन्दर्भों में से दो की व्याख्या | 10 |
| | (ख) छः में से तीन के निर्वचन | 6 |
| घटक–IV | (क) चार सन्दर्भों में से दो की व्याख्या | 10 |
| | (ख) चार छन्दा म स दा क लक्षण एव उदा | 6 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**


1. ऐतरेयब्राह्मण, सायण भाष्य सहित, सम्पादक एवं अनुवादक डॉ. सुधाकर मालवीय, तारा प्रिंटिंग वर्क्स, वाराणसी
2. शतपथब्राह्मणम्, नगर पब्लिशर्स, जवाहर नगर, दिल्ली
3. एकादशोपनिषद् भाष्य–सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, प्रकाशक –विजयकृष्ण लखनपाल,W-77A, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली
4. यास्कप्रणीतं निरुक्तम्, कपिलदेव शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
5. पिंगलप्रणीतम् छन्दः शास्त्रम्, गुरुकुल महाविद्यालय, झज्जर हरियाणा
6. Nirukta Mimamsa, Shiv Narayan Shastri
7- Philosophy of the Upanishads, S. Radhakrishnan.
8- Constructive Survey of Upanishadic Philosophy, R.D. Ranade.

## सप्तम पत्र
## संस्कृत व्याकरण

समय : 3 घण्टे पूर्णांक 80

| | | |
|---|---|---|
| घटक-I | लघुसिद्धान्तकौमुदी – तिङन्तप्रकरण (भ्वादिगण)– भू, अत्, षिध्, गद्, गुप्, पा, एध्, यज्, वह् | 20 |
| घटक–II | लघुसिद्धान्तकौमुदी –तिङन्तप्रकरण (शेषगण) – अद्, हन्, अस्, हु, ओहाक् त्यागे, दिव, शो, षुञ्, तुद्, रुध्, तन्, कृ, क्रीञ्, चुर्, कथ | 20 |
| घटक–III | लघुसिद्धान्तकौमुदी –कृदन्त प्रकरण– (पूर्वकृदन्त, उत्तरकृदन्त) | 20 |
| घटक–IV | सिद्धान्तकौमुदी– कारक प्रकरण | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट–** 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक–I | (क) 8 में से 4 रूपों की सिद्धि | 10 |
| | (ख) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या | 6 |
| घटक–II | (क) 8 में से 4 रूपों की सिद्धि | 10 |
| | (ख) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या | 6 |
| घटक–III | (क) 8 में से 4 रूपों की सिद्धि | 10 |
| | (ख) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या | 6 |
| घटक–IV | (क) 8 में से 4 रूपों की सिद्धि | 10 |
| | (ख) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या | 6 |

**अनुशंसित ग्रन्थ –**

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी – व्याख्याकार– श्री धरानन्द शास्त्री
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी – व्याख्याकार– श्री महेश सिंह कुशवाह
3. सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण) – व्याख्याकार – श्री श्रीनिवास शास्त्री
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी – व्याख्याकार – डॉ. ईश्वरचन्द्र शर्मा

## अष्टम पत्र
## वेदान्त एवं मीमांसा

समय : 3 घण्टे पूर्णांक 80

घटक–I वेदान्तसार–सदानन्द (अध्यारोप प्रकरण पर्यन्त) 20

घटक–II वेदान्तसार–सदानन्द (अपवाद प्रकरण से लेकर समाप्ति पर्यन्त) 20

घटक–III अर्थसंग्रह–लौगाक्षिभास्कर (आरम्भ से विधिभाग पर्यन्त) 20

घटक–IV अर्थसंग्रह–लौगाक्षिभास्कर (मन्त्रभाग प्रकरण से समाप्ति पर्यन्त) 20

**दिशानिर्देश–**

**नोट–** 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक–I – | (क) चार गद्यांशों में से दो की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो प्रश्नों में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न | 6 |
| घटक–II | (क) चार गद्यांशों में से दो की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो प्रश्नों में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न | 6 |
| घटक–III | दो प्रश्नों में से एक प्रश्न अथवा चार टिप्पणियों में से दो का उत्तर | 16 |
| घटक–IV | दो प्रश्नों में से एक प्रश्न अथवा चार टिप्पणियों में से दो का उत्तर | 16 |

**अनुशंसित ग्रन्थ –**

1. वेदान्तसार, व्या. सन्तनारायण श्रीवास्तव्य, सुदर्शन प्रकाशन, इलाहाबाद
2. वेदान्तसार, सम्पा. व्या. डॉ. आद्याप्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
3. वेदान्तसार, Eng. Translation by M.Hiriyanna.

# नवम पत्र
# लौकिक संस्कृत साहित्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक 80

| | |
|---|---|
| घटक–I मृच्छकटिक (1–5 अंक) | 20 |
| घटक–II मृच्छकटिक (6–10 अंक) | 20 |
| घटक–III साहित्यदर्पण (1–2 परिच्छेद) | 20 |
| घटक–IV साहित्यदर्पण (3.1–29; 6.1–11; 6.224–268; 6.315–324) | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट–** 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक–I | (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक–II | (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक–III | (क) दो में से एक प्रश्न | 10 |
| | (ख) दो में से एक कारिका की व्याख्या | 6 |
| घटक–IV | (क) दो में से एक प्रश्न | 10 |
| | (ख) दो में से एक कारिका की व्याख्या | 6 |

**अनुशंसित ग्रन्थ –**


1. मृच्छकटिक– श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
2. मृच्छकटिक– रमाशंकर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
3. मृच्छकटिक– आचार्य जगदीश प्रसाद पाण्डेय एवं मदनगोपाल वाजपेयी, भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली
4. मृच्छकटिक– शास्त्रीय, सामाजिक एवं राजनीतिक अध्ययन, डॉ. शालीग्राम द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. साहित्यदर्पण– शालिग्राम शास्त्री

## दशम पत्र
## भाषाविज्ञान

समय : 3 घण्टे पूर्णांक 80

घटक–I **ध्वनिविज्ञान–** उच्चारण अवयव और उनके कार्य, ध्वनि वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशा, ध्वनि नियम। 20

घटक–II **पदविज्ञान –** पद का स्वरूप, पद और शब्द में अन्तर, पद के भेद, पद परिवर्तन के कारण और दिशाएं। 20

घटक–III (i) **वाक्य विज्ञान –** वाक्य का लक्षण और भेद, वाक्य परिवर्तन के कारण और दिशाएं। 20

(ii) **अर्थविज्ञान –** अर्थपरिवर्तन के कारण और दिशाएं।

घटक– IV **Sanskrit Computational Linguistics** 20

(i) Introduction to Computational Linguistics
(ii) Relation between Sanskrit and Computer
(iii) Natural Language Processing (NLP)
(iv) Research and Activities in the field of Sanskrit Computational Linguistics.
(v) Scope of Sanskrit Computational Linguistics.

**दिशानिर्देश–**

**नोट–** 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

घटक–I दो में से एक प्रश्न अथवा चार टिप्पणियों में से दो का उत्तर 16
घटक–II दो में से एक प्रश्न अथवा चार टिप्पणियों में से दो का उत्तर 16
घटक–III दो में से एक प्रश्न अथवा चार टिप्पणियों में से दो का उत्तर 16
घटक–IV दो में से एक प्रश्न अथवा चार टिप्पणियों में से दो का उत्तर 16

**अनुशंसित ग्रन्थ –**


1. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. भाषाविज्ञान, डॉ. कर्णसिंह, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
3.
4. संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन, भोलाशंकर व्यास
5. पदपदार्थ समीक्षा, डॉ. बलदेव सिंह, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन, कुरुक्षेत्र।
6- A Mannual of Sanskrit Phonetics by C. Uhlenbeck
7. Linguistic Introduction to Sanskrit by B.K. Ghosh.
8. An Introduction to Comparative Philology by P.D. Gune.
9- Sanskrit Syntax by J.S. Speijer, Motilal Banarsidass, Delhi.
10- Sanskrit Language, T. Burrow
11- Language, its nature, development and origin, O.Jesperson.
12- Essentials of Computer and Networking Technology, Nasib S. Gill.

**तृतीय सामिसत्र**
**एकादश पत्र**
**संस्कृति एवं धर्मशास्त्र (भाग–1)**

**समय : 3 घण्टे** पूर्णांक **80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | मनुस्मृति (प्रथम अध्याय) | 20 |
| घटक-2 | मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय) | 20 |
| घटक-3 | याज्ञवल्क्य स्मृति (व्यवहाराध्याय)<br>(i) साधारण व्यवहारमात्रिक प्रकरण<br>(ii) असाधारण व्यवहारमात्रिक प्रकरण<br>(iii) लेख्य प्रकरण | 20 |
| घटक-4 | याज्ञवल्क्य स्मृति (व्यवहाराध्याय)<br>(i) ऋणादान प्रकरण<br>(ii) दायविभाग प्रकरण | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट–** 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक–II | (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक–III | (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-4 | (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**


1. मनुस्मृति–सम्पादक जयन्तकृष्ण हरिकृष्ण दवे, भारतीय विद्या भवन, मुम्बई
2. मनुस्मृति–सम्पादक गगानाथ झा, परिमल पब्लिकेशस, दिल्ली
3. मनुस्मृति–व्याख्याकार डॉ. सुरेन्द्र कुमार, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, दिल्ली
4. याज्ञवल्क्य स्मृति–व्याख्याकार गंगा सागर राय
6. याज्ञवल्क्य स्मृति–उमेशचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
6. Hindu Judicilsystem-S. Vardachari
7. Lws of Mnu-G. Buhler
8. Hindu Jurisprudence-P.K. Sen.

## विकल्प--संस्कृत व्याकरण
## द्वादश पत्र (12–A)
## व्याकरणशास्त्र का इतिहास

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक 80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | शिक्षा, निरुक्त, प्रातिशाख्य | 20 |
| घटक-2 | पाणिनीय परम्परा | 20 |
| घटक-3 | पाणिनीयेतर परम्परा | 20 |
| घटक-4 | नव्य व्याकरण और व्याकरण दर्शन | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट–** 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | दो में से एक प्रश्न | 16 |
| घटक-2 | दो में से एक प्रश्न | 16 |
| घटक-3 | दो में से एक प्रश्न | 16 |
| घटक-4 | दो में से एक प्रश्न | 16 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**


1. व्याकरण शास्त्र का इतिहास (भाग 1–3)–युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ़ (सोनीपत)
2. व्याकरण शास्त्र का इतिहास (छात्रोपयोगी सस्करण)–युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ़ (सोनीपत)
3. संस्कृत व्याकरण का इतिहास–सत्यकाम वर्मा
4. संस्कृत व्याकरण की रुपरेखा–डॉ॰ यज्ञवीर दहिया, ईस्टर्न बुक लिकर्स, दिल्ली
5. संस्कृत शास्त्रो का इतिहास–बलदेव उपाध्याय
6. व्याकरण दर्शन–रामसुरेश त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन
7. History of Snskrit Grmmer- A.V. bhynkr.

## त्रयोदश पत्र (13.A)
## प्राच्य व्याकरण (काशिका)

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक 80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | काशिका (प्रथम अध्याय–1–2 पाद) | 20 |
| घटक-2 | काशिका (प्रथम अध्याय–3–4 पाद) | 20 |
| घटक-3 | काशिका (द्वितीय अध्याय–1–2 पाद) | 20 |
| घटक-4 | काशिका (द्वितीय अध्याय–3–4 पाद) | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट–** 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | 8 सूत्रों में से 4 सूत्रों की उदाहरण व प्रत्युदाहरण सहित व्याख्या | 16 |
| घटक-2 | 8 सूत्रों में से 4 सूत्रों की उदाहरण व प्रत्युदाहरण सहित व्याख्या | 16 |
| घटक-3 | 8 सूत्रों में से 4 सूत्रों की उदाहरण व प्रत्युदाहरण सहित व्याख्या | 16 |
| घटक-4 | 8 सूत्रों में से 4 सूत्रों की उदाहरण व प्रत्युदाहरण सहित व्याख्या | 16 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**


1. काशिका, व्याख्या–जयशकर लाल त्रिपाठी, तारापुर बुक एजेंसी, वाराणसी
2. काशिका, व्याख्या–डॉ. वेदपाल विद्याभास्कर, साहित्य भण्डार, मेरठ
3. काशिका, व्याख्या–पं. ईश्वर चन्द्र, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली

## चतुर्दश पत्र (14–A)
## सिद्धान्त कौमुदी (तिङन्त प्रकरण)

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक 80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक- 1 | भ्वादिगण–('भू सत्तायाम्' से लेकर 'खद् स्थैर्ये हिसायाम् च' तक) | 20 |
| घटक-2 | भ्वादिगण–('गद व्यक्तायां वाचि' से लेकर 'टुओश्वि गतिवृद्ध्योः' तक) | 20 |
| घटक-3 | अदादिगण, जुहोत्यादिगण, दिवादिगण | 20 |
| घटक-4 | स्वादिगण, तुदादिगण, तनादिगण, क्रयादिगण, चुरादिगण | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट–** 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | (क) 8 में से 4 रुपों की सिद्धि | 10 |
| | (ख) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या | 6 |
| घटक-2 | (क) 8 में से 4 रुपों की सिद्धि | 10 |
| | (ख) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या | 6 |
| घटक-3 | (क) 8 में से 4 रुपों की सिद्धि | 10 |
| | (ख) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या | 6 |
| घटक-4 | (क) 8 में से 4 रुपों की सिद्धि | 10 |
| | (ख) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या | 6 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**

1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी (तृतीय भाग) प. बालकृष्ण पंचोली
2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी (तृतीय भाग) व्याख्याकार प. गिरिधर शर्मा एवं प. परमेश्वरानन्द शर्मा भास्कर

## पंचदश पत्र (15-A)
## महाभाष्य

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक 80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक- 1 | प्रथम आह्निक (प्रारम्भ से अस्त्यप्रयुक्तः वार्तिक से पूर्वतक) | 20 |
| घटक-2 | प्रथम आह्निक (अस्त्यप्रयुक्तः से अन्त तक) | 20 |
| घटक-3 | द्वितीय आह्निक (अइउण् से लेकर ऐऔच् प्रत्याहार सूत्र तक) | 20 |
| घटक-4 | द्वितीय आह्निक (हयवरट् से लेकर झभञ् प्रत्याहार सूत्र तक) | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट–** 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | (क) 2 संदर्भों में से एक की व्याख्या | 8 |
| | (ख) 2 प्रश्नो में से एक प्रश्न | 8 |
| घटक-2 | (क) 2 संदर्भों में से एक की व्याख्या | 8 |
| | (ख) 2 प्रश्नो में से एक प्रश्न | 8 |
| घटक-3 | (क) 2 संदर्भों में से एक की व्याख्या | 8 |
| | (ख) 2 प्रश्नो में से एक प्रश्न | 8 |
| घटक-4 | (क) 2 संदर्भों में से एक की व्याख्या | 8 |
| | (ख) 2 प्रश्नो में से एक प्रश्न | 8 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**


1. व्याकरण महाभाष्य, व्याख्याकार– युधिष्ठिर मीमासक
2. व्याकरण महाभाष्य, व्याख्याकार– चारुदेव शास्त्री
3. व्याकरण महाभाष्य, व्याख्याकार– डॉ. सुदर्शन देव आचार्य
4. व्याकरण महाभाष्य, व्याख्याकार– डॉ. अवनीन्द्र कुमार
6. व्याकरण महाभाष्य, व्याख्याकार– डॉ. भीम सिंह

## विकल्प–B–भारतीय दर्शन
## द्वादश पत्र (12-B)
## वैदिक दर्शन

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक 80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | वैदिक तत्त्व मीमांसा–सृष्टि, ब्रह्म, पुरुष, ईश्वर, आत्मा, माया, प्रकृति (संहिता और उपनिषत् साहित्य के परिप्रेक्ष्य मे) | 20 |
| घटक-2 | अथर्ववेद (स्कम्भसूक्त)10/7 | 20 |
| घटक-3 | अथर्ववेद (आत्मसूक्त) 10/8 | 20 |
| घटक-4 | मुण्डकोपनिषद् | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट–** 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | 2 में से एक निबन्धत्मक प्रश्न | 16 |
| घटक-2 | 4 मत्रो में से 2 की व्याख्या | 16 |
| घटक-3 | 4 मत्रो में से 2 की व्याख्या | 16 |
| घटक-4 | 4 मत्रो में से 2 की व्याख्या | 16 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**


1. वैदिक दर्शन–कपिलदेव द्विवेदी
2. ऋग्वेद मे दार्शनिक तत्त्व–गणेशदत्त शर्मा
3. अथर्ववेद का सास्कृतिक अध्ययन–कपिलदेव द्विवेदी
4. भारतीय दर्शन–आचार्य बलदेव उपाध्याय
5. अथर्ववेद भाष्य–श्रीपाद दामोदर सातवलेकर
6. अथर्ववेद भाष्य–क्षेमकरणदास त्रिवेदी
7. वैदिक साहित्य और संस्कृति–बलदेव उपाध्याय
8. वैदिक धर्म और दर्शन–बलदेव उपाध्याय
9. Religion of Ved-Oldenberg.
10. Destiny of the Ved-Louis Renon.
11. Theory of custion in Indin Philosphy-Mhesh Chndr Bhrtiy.

## त्रयोदश पत्र (13-B)
## चार्वाक, जैन एवं बौद्ध दर्शन

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक 80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | चार्वाक दर्शन (सर्वदर्शन–संग्रह–माधवाचार्य) | 20 |
| घटक-2 | जैन दर्शन (जैन दर्शन सार–स्वामी चैनसुखदास) | 20 |
| घटक-3 | बौद्धदर्शन (सर्वदर्शन संग्रह–माधवाचार्य) | 20 |
| घटक-4 | चार्वाक, जैन एवं बौद्ध दर्शर्न का सर्वेक्षण (प्रमुख आचार्य प्रमुख ग्रन्थ) | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट–** 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | (क) दो में से एक सन्दर्भ की व्याख्या | 8 |
| | (ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न | 8 |
| घटक-2 | (क) दो में से एक सन्दर्भ की व्याख्या | 8 |
| | (ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न | 8 |
| घटक-3 | (क) दो में से एक सन्दर्भ की व्याख्या | 8 |
| | (ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न | 8 |
| घटक-4 | दो में से एक निबन्धत्मक प्रश्न अथवा 4 में से 2 टिप्पणियां | 16 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**


1. सर्वदर्शन संग्रह–माधवाचार्य–संस्कृत टीकाकार–काशीनाथ वासुदेव अभ्यंकर
2. सर्वदर्शन संग्रह, माधवाचार्य–हिन्दी व्या. उमाशकर शर्मा ऋषि
3. जैनदर्शन सार–स्वामी चैनसुखदास
4. भारतीय दर्शन–आचार्य बलदेव उपाध्याय
5. भारतीय दर्शन का इतिहास–एस.एन. दास गुप्त
6. भारतीय दर्शन, भाग–1, राधाकृष्णन्
7. भारतीय दर्शन की भूमिका–रामचन्द्र पाण्डेय
8. चार्वाक दर्शन की शास्त्रीय समीक्षा–सर्वानन्द पाठक
9. बौद्ध दर्शन मीमांसा–बलदेव उपाध्याय
10. बौद्ध दर्शन–राहुल साकृत्यायन
11. भारतीय दर्शन, डॉ॰ बी॰एस॰ मेहरा, देवेश पब्लिकेशस्
12 srvdrsnsngrh-Eng. Tr. E.B.-Cowell nd .E. Gough.
13. Lokyt-D.P. Chttopdhyy.
14. Buddhist Logic (Vol 1 & 2) Tr.st. Cherbtsky.

## चतुर्दश पत्र (14-B)
## साख्य दर्शन

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक 80**

घटक-1&2 साख्य दर्शन साख्यप्रवचन भाष्य सहित (प्रथम–द्वितीय अध्याय) 40

घटक-3 साख्य दर्शन साख्यप्रवचन भाष्य सहित (तृतीय अध्याय) 20

घटक-4 सांख्य दर्शन का सर्वेक्षण (प्रमुख आचार्य, प्रमुख ग्रन्थ) 20

**दिशानिर्देश–**

**नोट** – 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में सें दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

घटक–1&2 (क) छह में से तीन की व्याख्या 16

(ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न 16

घटक-3 (क) छह में से तीन सूत्रों का व्याख्या 16

घटक-4 दो में से एक निबन्धत्मक प्रश्न अथवा 4 में से 2 टिप्पणियां 16

**अनुशंसित ग्रन्थ–**


1. साख्य दर्शन–विज्ञानभिक्षुकृतभाष्यसमेतम्, रामशकर भट्टाचार्य
2. साख्य दर्शन–ब्रह्ममुनिभाष्योपेतम्
3. साख्य दर्शन–आचार्य उदवीर शास्त्री
4. साख्य दर्शन का इतिहास–आचार्य उदयवीर शास्त्री
5. साख्य सिद्धान्त–आचार्य उदयवीर शास्त्री
6. भारतीय दर्शन–आचार्य बलदेव उपाध्याय
7. भारतीय दर्शन का इतिहास–एस.एन. दास गुप्ता
8. भारतीय दर्शन, भाग–1, राधाकृष्णन्
9. snkhysystem–.B. Keith
10. Origin nd Development ofsmkhysystem of Thought.
-Pulinbihri Chkrvrti

## पचदश पत्र (15-B)
## योग दर्शन

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक 80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | योगदर्शन (व्यासभाष्य सहित) प्रथम पाद | 20 |
| घटक-2 | योगदर्शन (व्यासभाष्य सहित) द्वितीय पाद | 20 |
| घटक-3 | योगदर्शन (व्यासभाष्य सहित) तृतीय–चतुर्थ पाद | 20 |
| घटक-4 | योगदर्शन का सर्वेक्षण (प्रमुख आचार्य, प्रमुख ग्रन्थ) | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट–** 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | (क) 4 सूत्रों में से दो की व्याख्या | 8 |
| | (ख) 2 में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न | 8 |
| घटक-2 | (क) 4 सूत्रों में से दो की व्याख्या | 8 |
| | (ख) 2 में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न | 8 |
| घटक-3 | (क) 4 सूत्रों में से दो की व्याख्या | 8 |
| | (ख) 2 में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न | 8 |
| घटक-4 | 2 में से एक निबन्धत्मक प्रश्न अथवा 4 में से 2 टिप्पणियां | 16 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**


1. पातंजलयोगसूत्रम् (व्यासभाष्यम्)–व्या ब्रह्मलीन मुनि
2. पातंजलयोगसूत्रम् (व्यासभाष्यम्)–व्या. सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव्य
3. पातंजलयोगसूत्रम् (व्यासभाष्यम्)–व्या. हरिहरानन्द आरण्य
4. पातंजलयोगसूत्रम् (व्यासभाष्यम्)–व्या. आचार्य राजवीर शास्त्री
5. भारतीय दर्शन–आचार्य बलदेव उपाध्याय
6. भारतीय दर्शन का इतिहास–एस.एन. दास गुप्त
7. भारतीय दर्शन–राधाकृष्णन्
8. व्याख्याकारो की दृष्टि मे पातजल योगदर्शन–विमला कर्णाटक
9. The Yogsystem of Ptnjli–J.H. Woods.

## विकल्प–C–लौकिक संस्कृत साहित्य
## द्वादश पत्र (12-C)
## पद्य साहित्य (भाग–1)

**समय : 3 घण्टे** पूर्णांक 80

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | नैषधीयचरित (प्रथम सर्ग 1–80 श्लोक) | 20 |
| घटक-2 | नैषधीयचरित (प्रथम सर्ग 81से अंत तक) | 20 |
| घटक-3 | रघुवंश (प्रथम सर्ग) | 20 |
| घटक-4 | रघुवंश (चतुर्दश सर्ग) | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट–** 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | (क) चार में से दो श्लोकों व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-2 | (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-3 | (क) चार मे से दो श्लोकों की व्याख्या | 10 |
| | (क) दो मे एक प्रश्न | 6 |
| घटक-4 | (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**

1. नैषधीयचरित–व्याख्याकार–शेष कृष्ण शर्मा रेग्मी
2. नैषधीयचरितम्–निर्णयसागर प्रेस, मुम्बई
3. रघुवश, अंग्रेजी अनुवाद–एम.आर. काले

## त्रयोदश पत्र (13-C)
## नाट्य साहित्य (भाग–1)

**समय : 3 घण्टे** पूर्णांक **80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | रत्नावली–(श्रीहर्ष) | 20 |
| घटक-2 | कर्णभार–(भास) | 20 |
| घटक-3 | मुद्राराक्षस–(1–4 अक) | 20 |
| घटक-4 | मुद्राराक्षस–(6–7 अक) | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट** – 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में सें दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | (क) चार में से दो श्लोकों व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-2 | (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-3 | (क) चार मे से दो श्लोकों की व्याख्या | 10 |
| | (क) दो मे एक प्रश्न | 6 |
| घटक-4 | (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**


1. रत्नावली–ब्रजरत्न भट्टाचार्य, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली/वाराणसी
2. रत्नावली–आचार्य श्री रामचन्द्र मिश्र, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
3. भासनाटकचक्रम्–सी.आर. देवधर, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
4. भासनाटकचक्रम्–सम्पा. व्या. डॉ. सुधाकर मालवीय कृष्णदास अकादमी, वाराणसी
6. मुद्राराक्षसम्–व्या. डॉ. निरुपण विद्यालकार साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
6. मुद्राराक्षसम्–व्या. पुष्पा गुप्ता, ईस्टर्न बुक लिकर्स, दिल्ली

## चतुर्दश पत्र (14-C)
## गद्य साहित्य (भाग–1)

**समय : 3 घण्टे** पूर्णांक **80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | शिवराजविजय (1–3 निश्वास) | 20 |
| घटक-2 | शिवराजविजय (4–6 निश्वास) | 20 |
| घटक-3 | कादम्बरी(महाश्वेतावृत्तान्त)–तस्य च दक्षिण ततो–से–दत्तदृष्टिः सुचिर व्यचरम् तक | 20 |
| घटक-4 | कादम्बरी (महाश्वेतावृत्तान्त)– अथैकस्मिन्सरः समीपवर्तिनि– से–अतिचिरमुच्चै प्रारोदीत्–तक | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट** – 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में सें दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | (क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या | 10 |
| | (क) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक–2 | (क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या | 10 |
| | (क) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-3 | (क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या | 10 |
| | (क) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-4 | (क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या | 10 |
| | (क) दो में से एक प्रश्न | 6 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**

1. शिवराजविजय–सम्पा. श्री केदारनाथ मिश्र, भार्गव भूषण प्रेस, वाराणसी
2. कादम्बरी (पूर्व भाग) –सम्पा. श्री निवास शास्त्री तथा महेश भारतीय

## पंचदश पत्र (15-C)
## काव्य शास्त्र (भाग–1)

**समय : 3 घण्टे** पूर्णांक **80**

| | | | |
|---|---|---|---|
| घटक-1 | काव्यमीमांसा (राजशेखर)–(1–5 अध्याय) | 20 | |
| घटक-2 | दशरुपक (धनञ्जय)–(प्रथम प्रकाश) | 20 | |
| घटक-3 | दशरुपक (धनञ्जय)–(तृतीय प्रकाश) | | 20 |
| घटक-4 | नाट्यशास्त्र (भरत)–(प्रथम अध्याय) | 20 | |

**दिशानिर्देश–**

**नोट** – 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में सें दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | (क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या | 10 |
| | (क) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-2 | (क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या | 10 |
| | (क) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-3 | (क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या | 10 |
| | (क) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-4 | (क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या | 10 |
| | (क) दो में से एक प्रश्न | 6 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**

1. काव्यमीमांसा–राजशेखर
2. दशरुपक– व्या. भोलाशकर व्यास, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. दशरुपक– व्या. डॉ. श्रीनिवास शास्त्री
4. नाट्यशस्त्र– व्या. भोलानाथ व्यास

## विकल्प–D.वैदिक साहित्य
## द्वादश पत्र (12-D)
## ऋग्वेद एवं यजुर्वेद संहिता

**समय : 3 घण्टे** पूर्णांक **80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | ऋग्वेद संहिता<br>अग्नि (1.19); सूर्य (1.50); ब्रह्मणस्पति (2.23); मित्र (3.59); ऊषस् (3.61); सघटन (10.191) | 20 |
| घटक-2 | ऋग्वेद संहिता<br>बृहस्पति (4.50); पर्जन्य (5.83); पूषन् (6.53); सरस्वती (10.29); वरुण (1.25) | 20 |
| घटक-3 | यजुर्वेद संहिता (प्रथम अध्याय)<br>उव्वट, महीधर तथा स्वामी दयानन्द के भाष्यों का तुलनात्मक अध्ययन | 20 |
| घटक-4 | यजुर्वेद संहिता (अध्याय 32, 34, 36)<br>उव्वट, महीधर तथा स्वामी दयानन्द के भाष्यो का तुलनात्मक अध्ययन | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट** – 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में सें दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | (क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या | 10 |
| | (क) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-2 | (क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या | 10 |
| | (क) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-3 | (क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या | 10 |
| | (क) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-4 | (क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या | 10 |
| | (क) दो में से एक प्रश्न | 6 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**


1. ऋक्सूक्तसग्रह–कृष्ण कुमार एवं हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार,सुभाष बाजार,मेरठ
2. शुक्ल यजुर्वेद भाष्य–उव्वट–महीधर कृत
3. ऋग्वेद एवं यजुर्वेद का सुबोध भाष्य–श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, पारडी
4. ऋग्वेद एवं यजुर्वेद भाष्य–महर्षि दयानन्द सरस्वती, वैदिक यन्त्रालय, अजमेर
5. ऋग्वेद सायण भाष्य, विश्वेश्वरान्द वैदिक शोध संस्थान, होशियारपुर, पजाब
6. Vedicselection, .. Mecdonell, Motill Bnrsids, Delhi.
7. Hymns of the thrvved–M. Bloomfield.
8. Vedic Reder for students, .. Mcdonell.
9. वैदिक सग्रह एवंम् व्याख्या–बलदेव सिंह मेहरा

## त्रयोदश पत्र (13-D)
## सामवेद एवं अथर्ववेद संहिता

**समय : 3 घण्टे** पूर्णांक **80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | सामवेद संहिता–पूर्वार्चिक, प्रथम प्रपाठक, प्रथमार्ध (1–64 मात्र) | 20 |
| घटक-2 | अथर्ववेद संहिता–<br>मेधाजनन सूक्त (1.1); अपां भेषजम् (1.5,1.6); सामनस्य (6.64); शत्रुबाधन (1.16); राज्ञः सवरण (6.87); ध्रुवो राजा (6.80); राष्ट्रसभा (7.13); विराट् (8.102); सभा समितिश्च (7.13) | 20 |
| घटक-3 | अथर्ववेद संहिता–<br>राष्ट्रबल (19.41); ब्रह्मा (19.43); पूर्ण आयु (19.61); सर्वप्रिय (19.62)आयुर्वर्धन (19.63); दीर्घायु (19.67); वेदमाता (19.71); विवाह प्रकरण (14.2) | 20 |
| घटक-4 | वैदिक स्वर परिचय | |
| | (क) वैदिक स्वरो का सामान्य परिचय | 12 |
| | (ख) सामवेदीय स्वराकन विधि | 8 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट** – 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में सें दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | (क) चार में से दो मत्रो की व्याख्या | 10 |
| | (क) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-2 | (क) चार में से दो मत्रो की व्याख्या | 10 |
| | (क) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-3 | (क) चार में से दो मत्रो की व्याख्या | 10 |
| | (क) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-4 | (क) दो मे एक प्रश्न अथवा चार में से दो टिप्पणियां | 10 |
| | (क) दो मे एक प्रश्न | 6 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**


1. सामवेद संहिता–सायण भाष्य
2. सामवेद संहिता, भाष्य–डॉ. रामनाथ वेदालंकार
3. सामवेद संहिता, सुबोध भाष्य–श्रीपाद दामोदर सातवलेकर
4. सामवेद संहिता, अंग्रेजी अनुवाद–स्वामी सत्यप्रकाश सरस्वती एवं सत्यकाम विद्यालकार
6. अथर्ववेद संहिता–सायण भाष्य
6. अथर्ववेद संहिता, सुबोध भाष्य–श्रीपाद दामोदर सातवलेकर
7. अथर्ववेद संहिताभाष्य–क्षेमकरण दास त्रिवेदी

## चतुर्दश पत्र (14–D)
## ब्राह्मण साहित्य

**समय : 3 घण्टे** पूर्णांक **80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | ऐत्तरेय ब्राह्मण (अध्याय 38–40) | 20 |
| घटक-2 | शतपथ ब्राह्मण, राजसूय श्रौतयज्ञ (पंचम काण्ड, द्वितीय अध्याय ब्राह्मण 3 – 4) | 20 |
| घटक-3 | शतपथ ब्राह्मण, वाजपेय श्रौतयज्ञ (पंचम काण्ड, अध्याय 1-2) | 20 |
| घटक-4 | गोपथ ब्राह्मण (पूर्व भाग–ब्रह्मचारी धर्म स्थापनम्, प्रपाठक 2, कण्डिका 1–7) | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट** – 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में सें दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | (क) चार में से दो संदर्भों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-2 | (क) चार में से दो संदर्भों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-3 | (क) चार में से दो संदर्भों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-4 | (क) चार में से दो संदर्भों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो मे एक प्रश्न | 6 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**

1. ऐत्तरेय ब्राह्मण– सायण भाष्य
2. शतपथ ब्राह्मण– सायण भाष्य
3. गोपथ ब्राह्मण– क्षेमकरण दास त्रिवेदी

## पंचदश पत्र (15–D)
## वैदिकसाहित्य का इतिहास

**समय : 3 घण्टे** पूर्णांक **80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | संहिता साहित्य–रचनाकाल, वर्ण्यविषय | 20 |
| घटक-2 | ब्राह्मण साहित्य–रचनाकाल, वर्ण्यविषय | 20 |
| घटक-3 | आरण्यक–उपनिषद्–रचनाकाल, वर्ण्यविषय | 20 |
| घटक-4 | वेदांग साहित्य–रचनाकाल, वर्ण्यविषय | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट** – 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में सें दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | दो में से एक निबन्धत्मक प्रश्न अथवा 4 में से 2 टिप्पणियां | 16 |
| घटक-2 | दो में से एक निबन्धत्मक प्रश्न अथवा 4 में से 2 टिप्पणियां | 16 |
| घटक-3 | दो में से एक निबन्धत्मक प्रश्न अथवा 4 में से 2 टिप्पणियां | 16 |
| घटक-4 | दो में से एक निबन्धत्मक प्रश्न अथवा 4 में से 2 टिप्पणियां | 16 |

**चतुर्थ सामिसत्र**
**षोडश पत्र**
**संस्कृति एवं धर्मशास्त्र (भाग–2)**

**समय : 3 घण्टे** पूर्णांक **80**

घटक-1 रामायण 20

(i) रामायण के सस्करण
(ii) रामायणकालीन समाज
(iii) रामायण का सास्कृतिक महत्व
(iv) अपने अनुवर्ती साहित्य के प्रेरणास्रोत के रुप मे रामायण

घटक-2 महाभारत 20

(i) महाभारत के सस्करण
(ii) महाभारतकालीन समाज
(iii) महाभारत का सास्कृतिक महत्व
(iv) अपने अनुवर्ती साहित्य के प्रेरणास्त्रोत के रुप मे महाभारत

घटक-3 पुराण 20

(i) पुराण परिभाषा
(ii) महापुराण एवं उपपुराण
(iii) पुराणो का सास्कृतिक महत्त्व
(iv) पुराणो मे सृष्टिविद्या

घटक-4 कौटिल्य अर्थशास्त्र– (प्रथम भाग केवल प्रथम अधिकरण) 20

**दिशानिर्देश–**

**नोट–** 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | दो में से एक प्रश्न | 16 |
| घटक-2 | दो में से एक प्रश्न | 16 |
| घटक-3 | दो में से एक प्रश्न | 16 |
| घटक-4 | (क) चार में से दो संदर्भों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**


1. कौटिलीय अर्थशास्त्र–सम्पा. वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभावन, वाराणसी
2. कौटिलीय अर्थशास्त्र–अनु. आचार्य उदयवीर शास्त्री
3. महाभारत–एक समाजशास्त्रीय अनुशीलन–नाथुलाल गुप्त, साहित्य प्रकाशन दिल्ली
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास–वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी
5. पुराण–विमर्श–आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
6. पौराणिक धर्म एवं समाज–सिद्धेश्वरी नारायण राय, इलाहबाद
7. रामायाणकालीन समाज और संस्कृति– जगदीश चन्द्र भट्ट, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी
8. A Socio-Politicl study of Vlmiki Ramayan-Ramashraya Shrm Motill Bnrsidss, Delhi.
9. Kutily's rithshstr-R.shmchstri.
10. Kutily's rithshstr nd pprisl-Prof. Pushpender Kumr Delhi.

**विकल्प–A**
**व्याकरण**
**सप्तदश पत्र (17–A)**
**सिद्धान्तकौमुदी (सुबन्त, कृत्य एवं तद्धित प्रकरण)**

**समय : 3 घण्टे** पूर्णांक **80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | सुबन्तप्रकरण–अजन्त | 20 |
| घटक-2 | सुबन्तप्रकरण–हलन्त | 20 |
| घटक-3 | कृत्य–प्रकरण | 20 |
| घटक-4 | तद्धित–प्रकरण (मत्वर्थीय केवल) | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट** – 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में सें दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | (क) 6 में से 3 रुपों की सिद्धि | 12 |
| | (क) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या | 4 |
| घटक-2 | (क) 6 में से 3 रुपों की सिद्धि | 12 |
| | (क) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या | 4 |
| घटक-3 | (क) 6 में से 3 रुपों की सिद्धि | 12 |
| | (क) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या | 4 |
| घटक-4 | (क) 6 में से 3 रुपों की सिद्धि | 12 |
| | (क) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या | 4 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**

1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी (प्रथम भाग व चतुर्थ भाग)–बालकृष्ण पंचोली
2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी (प्रथम भाग व चतुर्थ भाग)–गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी एवं परमेश्वरानन्द शर्मा भास्कर

## अष्टादश पत्र (18–A)
## उणादिपाठ एवं लिङ्गानुशासन

**समय : 3 घण्टे** पूर्णांक **80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | उणादिपाठ–प्रथम पाद | 20 |
| घटक-2 | उणादिपाठ–द्वितीय पाद | 20 |
| घटक-3 | उणादिपाठ–तृतीय पाद | 20 |
| घटक-4 | लिङ्गानुशासन | 20 |

**दिशानिर्देश–**

16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | (क) 6 में से 3 रुपों की सिद्धि | 12 |
| | (ख) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या | 4 |
| घटक-2 | (क) 6 में से 3 रुपों की सिद्धि | 12 |
| | (ख) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या | 4 |
| घटक-3 | (क) 6 में से 3 रुपों की सिद्धि | 12 |
| | (ख) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या | 6 |
| घटक-4 | (क) 8 में से 4 सूत्रों की व्याख्या | 16 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**

1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी –बालकृष्ण पंचोली
2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी –गिरिधर एवं परमेश्वरानन्द
3. लिङ्गानुशासन–आचार्य सुदर्शन देव, गुरुकुल महाविद्यालय, झज्जर

## एकोनविंश पत्र (19–A)
## सिद्धान्तकौमुदी (समास एवं प्रक्रिया)

**समय : 3 घण्टे** पूर्णांक **80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | समास (अव्ययीभाव, तत्पुरुष) | 20 |
| घटक-2 | समास (बहुव्रीहि, द्वन्द्व) | 20 |
| घटक-3 | प्रक्रिया (ण्यन्त, सन्नन्त, यङन्त, यङ्लुगन्त, नामधतु) | 20 |
| घटक-4 | प्रक्रिया (भावकर्म, कर्तृकर्म, आत्मनेपद, परस्मैपद, लकारार्थ) | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट** – 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में सें दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | (क) 6 में से 3 रुपों की सिद्धि | 12 |
| | (ख) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या | 4 |
| घटक-2 | (क) 6 में से 3 रुपों की सिद्धि | 12 |
| | (ख) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या | 4 |
| घटक-3 | (क) 8 में से 4 रुपों की सिद्धि | 16 |
| घटक-4 | 8 में से 4 सूत्रों की व्याख्या | 16 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**

1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी व्याख्याकार–बालकृष्ण पंचोली
2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी व्याख्याकार–गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी एवं परमेश्वरानन्द
3. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी (समास प्रकरण)–जगदीश शर्मा, डॉ. मधुबाला

## विंश पत्र (20–A)
## व्याकरणदर्शन

**समय : 3 घण्टे** पूर्णांक **80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड)–कारिका 1–74 | 20 |
| घटक-2 | वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड)–कारिका 76–166 | 20 |
| घटक-3 | परमलघुमंजूषा (शक्ति निरुपण) (आरम्भ से लेकर 'तदर्थो वा इच्छावान् इति व्यवहारः' तक) | 20 |
| घटक-4 | परमलघुमंजूषा (शक्ति निरुपण) ('तस्माद् पदपदार्थयोः सम्बन्धान्तरम् एवं शक्तिः' से लेकर समाप्ति तक) | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट** – 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में सें दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | (क) चार में से दो कारिकाओं की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-2 | (क) चार में से दो कारिकाओं की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-3 | (क) चार में से दो संदर्भों की व्याख्या | 16 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-4 | (क) चार में से दो संदर्भों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**

1. वाक्यपदीय– Commentry by K... yyr
2. वाक्यपदीय–व्याख्याकार– सत्यकाम वर्मा
3. वाक्यपदीय–व्याख्याकर– सूर्यनारायण शुक्ल
4. परमलषुमंजूषा–व्याख्याकार– डॉ. कपिलदेव शास्त्री–कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन

**विकल्प–B**
**भारतीय दर्शन**
**सप्तदश पत्र (17–B)**
**न्याय–वैशेषिक दर्शन (प्राच्य)**

**समय : 3 घण्टे** पूर्णांक **80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | न्यायदर्शन (वात्स्यायनभाष्य सहित) प्रथम अध्याय, प्रथम आह्निक | 20 |
| घटक-2 | न्याय दर्शन, प्रथम अध्याय, (वात्स्यायन–भाष्य सहित) द्वितीय आह्निक | 20 |
| घटक-3 | वैशेषिक दर्शर्न –प्रशस्तपादभाष्य (द्रव्यनिरुपण) | 20 |
| घटक-4 | न्याय और वैशेषिक दर्शन का सर्वेक्षण (प्रमुख प्राचीन आचार्य, प्रमुख प्राचीन ग्रन्थ) | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट** – 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में सें दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | (क) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या | 8 |
| | (ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न | 8 |
| घटक-2 | (क) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या | 8 |
| | (क) दो में से एक सदर्भ की व्याख्या | 8 |
| घटक-3 | (क) दो में से एक सदर्भ की व्याख्या | 8 |
| | (ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न अथवा चार में से दो टिप्पणियां | 8 |
| घटक-4 | दो में से एक निबन्धत्मक प्रश्न अथवा 4 में से 2 टिप्पणियां | 16 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**


1. न्यायदर्शनम् (वात्स्यायनभाष्यसहितम्) सम्पा. श्रीनारायण मिश्र
2. न्यायदर्शन–आचार्य उदयवीर शास्त्री
3. न्यायदर्शन–ब्रह्ममित्र अवस्थी
4. न्याय–वैशेषिक–धर्मेन्द्र नाथ शस्त्री
5. भारतीय दर्शन–राधाकृष्णन्
6. भारतीय दर्शन का इतिहास–एस.एन. दास गुप्त
7. भारतीय दर्शन–आचार्य बलदेव उपाध्याय
8- Critique of Indin Relism-D.N.shstri.
9- The Nyy theory of knowledge-Stish Chndr Chtterji.

## अष्टादश पत्र (18–B)
## न्याय–वैशेषिक दर्शन (नव्य)

**समय : 3 घण्टे** पूर्णांक **80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड–बुद्धिनिरुपण केवल) (कारिका 51 से अन्त तक) | 20 |
| घटक-2 | न्यायसिद्धान्तमुक्तावली अनुमानखण्ड | 20 |
| घटक-3 | न्यायसिद्धान्तमुक्तावली शब्दखण्ड | 20 |
| घटक-4 | नव्यन्याय का सर्वेक्षण (प्रमुख आचार्य, प्रमुख ग्रन्थ) | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट–** 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | चार में से दो कारिकाओं की व्याख्या | 16 |
| घटक-2 | चार में से दो कारिकाओं की व्याख्या | 16 |
| घटक-3 | दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न अथवा 4 में से 2 टिप्पणियां | 16 |
| घटक-4 | दो में से एक निबन्धत्मक प्रश्न अथवा 4 में से 2 टिप्पणियां | 16 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**


1. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली प्रत्यक्ष खण्ड– डॉ. धर्मेन्द्रनाथ शास्त्री
2. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली– डॉ. गजानन शास्त्री, मुसलगावकर
3. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली– आचार्य लोकमणि दाहाल
4. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली– चन्द्रधारी सिंह
5. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली– (दिनकरी–रामरुद्री टीका), चौखम्बा, वाराणसी
6. भारतीय दर्शन का इतिहास– एस.एन. दास गुप्त
7. भारतीय दर्शन– आचार्य बलदेव उपाध्याय
8. Bhsh-Prichchhed with Muktvli-Swmi Mdhvnnd.
9. Critique of Indin Relism- D.N.shstri.

## एकोनविंश (19–B)
## मीमांसा एवं वेदान्त दर्शन

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक 80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | मीमांसादर्शन (शाबरभाष्य) प्रथम अध्याय–प्रथम पाद (तर्कपाद) | 20 |
| घटक-2 | ब्रह्मसूत्र (शाकरभाष्य) प्रथम अध्याय–प्रथम पाद,(चतुःसूत्री) | 20 |
| घटक-3 | ब्रह्मसूत्र (शाकरभाष्य) प्रथम अध्याय– प्रथम पाद (पाचवे सूत्र से अंत तक) | 20 |
| घटक-4 | मीमांसा और वेदान्त दर्शन का सर्वेक्षण (प्रमख्र आचार्य, प्रमुख ग्रन्थ) | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट–** 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | (क) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या | 8 |
| | (ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न | 8 |
| घटक-2 | दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न अथवा 4 में से 2 टिप्पणियां | 16 |
| घटक-3 | 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या | 16 |
| घटक-4 | दो में से एक निबन्धत्मक प्रश्न अथवा 4 में से 2 टिप्पणियां | 16 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**


1. ब्रह्मसूत्र शाकरभाष्यम् (चतुः सूत्री)–आचार्य विश्वेश्वर
2. ब्रह्मसूत्र शाकरभाष्यम् (चतुः सूत्री)–डॉ. कामेश्वर मिश्र
3. ब्रह्मसूत्र शाकरभाष्यम्– सत्यानन्दी दीपिका
4. मीमांसादर्शनम् (तर्कपाद)– उमाशकर शर्मा ऋषि
5. मीमांसा दर्शन का उद्भव और विकास– प्रेमा अवस्थी
6. मीमांसादर्शनविमर्शः– वाचस्पति उपाध्याय
7. अद्वैत वेदान्त– राममूर्ति शर्मा
8. अद्वैततत्त्वमीमांसा– सुधा जैन
9. भारतीय दर्शन का इतिहास–एस.एन. दास गुप्त
10. भारतीय दर्शन, भाग 1–2 – राधाकृष्णन्
11. भारतीय दर्शन– आचार्य बलदेव उपाध्याय
12. Advait vednt-T.M.P. Mhdevn
13. Lights on vednt-V.M.P. Updhyy
14. Purvmimnsa in its sources-G.N. Jh

## विंश पत्र (20–B)
## रामानुज एवं दयानन्द दर्शन

**समय : 3 घण्टे** पूर्णांक **80**

घटक-1 तत्त्वत्रयम्– लोकाचार्य 20

घटक-2 यतीन्द्रमतदीपिका– श्रीनिवासाचार्य (अष्टम–नवम–अवतार) 20

घटक-3 ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका– महर्षि दयानन्द सरस्वती
(उपासना एवम् मुक्तोवेषय)
20

घटक-4 ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका–महर्षि दयानन्द सरस्वती 20
(सृष्टिविद्या एवं पुनर्जन्म विषय)

**दिशानिर्देश–**

**नोट** – 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में सें दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | | |
|---|---|---|---|
| घटक-1 | (क) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या | 8 | |
| | (ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न | | 8 |
| घटक-2 | (क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या | 8 | |
| | (ख) दो में से एक सैद्धानितक प्रश्न | 8 | |
| घटक-3 | (क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या | 8 | |
| | (ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न | | 8 |
| घटक-4 | (क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या | 8 | |
| | (ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न | | 8 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**


1. यतीन्द्र मत दीपिका, व्याख्या– आचार्य शिवप्रसाद द्विवेदी
2. तत्त्वत्रयम्– लोकाचार्य
3. ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका– महर्षि दयानन्द
4. भूमिका भास्कर– स्वामी विद्यानन्द सरस्वती
5. दयानन्द दर्शन– डॉ- वेदप्रकाश गुप्त
6. दयानन्द दर्शन एक अध्ययन– डॉ- श्रीनिवास शास्त्री
7. अद्वैततत्त्वमीमांसा– सुधा जैन
8. भारतीय दर्शन का इतिहास– एस.एन.दास गुप्त
9. भारतीय दर्शन, भाग– 1–2 – राधाकृष्णन्
10. भारतीय दर्शन– आचार्य बलदेव उपाध्याय
11. Purvmimnsa in its sources-G.N. Jh
12. 1Shri Rmnuj, Philosophy nd Religion- Dr. P.B. Vidyrthi 8- study in Rmnuj Vednt– S.R. Bhatt.
13. Advait vednt–T.M.P. Mhdevn
14. Lights on Vednt-V.M.P. Upadhyaya

**विकल्प–C**
**लौकिक संस्कृत साहित्य**
**सप्तदश पत्र (17–C)**
**पद्य साहित्य (भाग–2)**

**समय : 3 घण्टे** पूर्णांक **80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | किरातार्जुनीय–(प्रथम सर्ग) | 20 |
| घटक-2 | किरातार्जनुीय–(द्वितीय सर्ग) | 20 |
| घटक-3 | बुद्धचरित– (तृतीय सर्ग) | 20 |
| घटक-4 | विक्रमांकदेवचरित (प्रथम सर्ग) | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट** – 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में सें दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-2 | (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या | 10 |
| | (क) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-3 | (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-4 | (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**

1. विक्रमांकदेवचरित– प. विश्वनाथ शास्त्री, भारद्वाज संस्कृत साहित्य अनुसधन समिति, बनारस
2. बुद्धचरित–व्याख्याकार श्री रामचन्द्र दास शास्त्री, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी

## अष्टादश पत्र (18–C)
## नाट्य साहित्य (भाग–2)

**समय : 3 घण्टे** **iw.kk±d : 80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | उत्तररामचरित (1–4 अंक) | 20 |
| घटक-2 | उत्तररामचरित (5–7 अंक) | 20 |
| घटक-3 | वेणीसंहार (1–3 अंक) | 20 |
| घटक-4 | वेणीसंहार (4–6 अंक) | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट** – 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में सें दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-2 | (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या | 10 |
| | (क) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-3 | (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-4 | (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**

1. उत्तररामचरित– व्या. तारिणीश झा
2. उत्तररामचरित– व्या. डॉ. कृष्णलाल शुक्ल एवं डॉ. रमाकान्त शुक्ल, साहित्य भण्डार, मेरठ
3. वेणीसंहार– सम्पा. डॉ. शिवराज शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ

## अष्टादश पत्र (19–C)
## आधुनिक संस्कृत साहित्य

**समय : 3 घण्टे** पूर्णांक **80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | पुरोधसः स्वप्नः, मायापतिः (शिवप्रसाद भारद्वाज) | 20 |
| घटक-2 | द्वासुपर्णा (राम जी उपाध्याय) | 20 |
| घटक-3 | अभिनवसंस्कृत–कथा (डॉ. नारायण शास्त्री कांकर) | 20 |
| घटक-4 | दयानन्द दिग्विजय (मेधव्रताचार्य)–(1–2 सर्ग) | 20 |

**दिशानिर्देश–**

16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | (क) चार में से दो सदर्भो की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-2 | (क) चार में से दो संदर्भों की व्याख्या | 10 |
| | (क) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-3 | (क) चार में से दो संदर्भों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-4 | (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**

1. त्रिपत्री–रुपक त्रयी– शिवप्रसाद भारद्वाज, देवेश पब्लिकेशस्, रोहतक
2. द्वा सुपर्णा– राम जी उपाध्याय
3. दयानन्द दिग्विजयम्– व्या.डॉ. महावीर, चौखम्बा ओरियण्टालिया, दिल्ली
4. अभिनव संस्कृत कथा– डॉ. नारायण शास्त्री कांकर, प्रकाशक– श्रीमती शान्ति देवी, विद्या–वैभव–भवन,जयपुर

## विंश पत्र (20–C)
## काव्यशास्त्र (भाग–2)

**समय : 3 घण्टे** पूर्णांक **80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | काव्यप्रकाश (1–3 उल्लास) | 20 |
| घटक-2 | काव्यप्रकाश<br>(i) चतुर्थ उल्लास (केवल रस प्रकरण)<br>(ii) पचम उल्लास<br>(iii) सप्तम उल्लास (केवल रस दोष)<br>(iv) अष्टम उल्लास | 20 |
| घटक-3 | काव्यप्रकाश (नवम–दशम उल्लास) | 20 |
| | **अलकार–** अनुप्रास, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रुपक, उत्प्रेक्षा, समासोक्ति, दृष्टांन्त, अर्थान्तरन्यास, निदर्शना, विभावना, विशेषोक्ति, अपह्नुति, संकर, संसृष्टि | |
| घटक-4 | ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) | 20 |

**दिशा निर्देश :–**

**नोट** – 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में सें दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | (क) चार में से दो संदर्भों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-2 | (क) चार में से दो संदर्भों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-3 | 4 में से 2 अलंकारो के लक्षण एवं उदाहरण | 16 |
| घटक-4 | (क) चार में से दो संदर्भों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**

1. काव्यप्रकाश, सम्पा. श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
2. काव्यप्रकाश, व्याख्याकार– आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लि., वाराणसी
3. ध्वन्यालोक, व्याख्याकार– श्री कृष्ण कुमार
4. ध्वन्यालोक, व्याख्याकार– आचार्य विश्वेश्वर

**विकल्प–D**

**सप्तदश पत्र (17–D)**

**श्रौतसूत्र साहित्य**

**समय- 3 घण्टे** **iw.kk±d-80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | आश्वलायन श्रौतसूत्र–अध्याय–2 (पूर्वार्द्ध) | 20 |
| घटक-2 | आश्वलायन श्रौतसूत्र– अध्याय–2 (उत्तरार्द्ध) | 20 |
| घटक-3 | कात्यायन श्रौतसूत्र– अध्याय–2 (पूर्वार्द्ध) | 20 |
| घटक-4 | कात्यायन श्रौतसूत्र– अध्याय–2 (उत्तरार्द्ध) | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट** – 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में सें दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | (क) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-2 | (क) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या | 10 |
| | (क) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-3 | (क) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-4 | (क) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**

1. आश्वलायन श्रौतसूत्र– संस्कृत अनुवाद
2. आश्वलायन श्रौतसूत्र– अंग्रेजी अनुवाद– रानाडे
3. कात्यायन श्रौत सूत्र, अंग्रेजी अनुवाद– रानाडे

## अष्टदश पत्र (18–D)
## गृह्यसूत्र साहित्य

**समय- 3 घण्टे** **iw.kk±d-80**

घटक-1 आश्वलायन गृह्यसूत्र (अध्याय–1) 1–12 खण्ड

घटक-2 आश्वलायन गृह्यसूत्र (अध्याय–1) 13–24 खण्ड)

घटक-3 पारस्कर गृह्यसूत्र काण्ड II (कण्डिका 1–8)

घटक-4 पारस्कर गृह्यसूत्र काण्ड II (कण्डिका 9–17)

**दिशानिर्देश–**

**नोट** – 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में सें दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

घटक-1 दो में से एक प्रश्न 16

घटक-2 दो में से एक प्रश्न 16

घटक-3 दो में से एक प्रश्न 16

घटक-4 दो में से एक प्रश्न 16

## एकोनविंश पत्र (19–D)
## धर्मसूत्र एवं शुल्बसूत्र

**समय- 3 घण्टे** **iw.kk±d-80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | बौधायन धर्मसूत्र (मिताक्षरावृत्ति सहित) (प्रश्न–3अध्याय-10) | 20 |
| घटक-2 | गौतम धर्मसूत्र (प्रश्न 1अध्याय–I) | 20 |
| घटक-3 | कात्यायन शुल्बसूत्र (कण्डिका–I) | 20 |
| घटक-4 | कात्यायन शुल्बसूत्र (कण्डिका–II) | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट** – 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में सें दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | (क) चार सूत्रों में से दो की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-2 | (क) चार सूत्रों में से दो की व्याख्या | 10 |
| | (क) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-3 | (क) चार सूत्रों में से दो की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |
| घटक-4 | (क) चार सूत्रों में से दो की व्याख्या | 10 |
| | (ख) दो में से एक प्रश्न | 6 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**


1. बौधायन धर्मसूत्र (मिताक्षरावृत्ति सहित), चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
2. बौधायन धर्मसूत्र, व्याख्या– डा. नरेन्द्र कुमार आचार्य, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली वाराणसी
3. बौधायन धर्मसूत्र, व्याख्या– गोविन्द स्वामी, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
4. गौतम धर्मसूत्र (मिताक्षरावृत्ति सहित), व्याख्या– डॉ. उमेश चन्द्र पाण्डेय, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
5. गौतम धर्मसूत्र, व्याख्या– गोविन्द स्वामी, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
6. कात्यायन शुल्बसूत्र, हिन्दी – अंग्रेजी व्याख्या – डॉ. डी .पी. कुलड़िया, देवेश पब्लिकेशस्, रोहतक
7. कात्यान शुल्बसूत्र, अग्रेजी व्याख्या– डॉ. खदिलकर, पूना विश्वविद्यालय प्रकाशन, पूना

## विंश पत्र (20–D)
## वैदिक अध्ययन परम्परा

**समय- 3 घण्टे** **पूर्णांक-80**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | प्राचीन भारतीय परम्परा– साहित्य, कल्पसूत्र, निरुक्त– निघण्टु, बृहद्देवता, विभिन्न वेदार्थ पद्धतिया | 20 |
| घटक-2 | प्राचीन वेद भाष्यकार– स्कन्द स्वामी, नारायण, उद्गीथ, महेश्वर, माधवभट्ट, वेंकटमाध्व, धानुष्क यज्वा, आत्मानन्द, सायण, उव्वट, महीधर | 20 |
| घटक-3 | पाश्चात्य वेद भाष्यकार– एच.टी. कॉलब्रकु , विल्सन, रुडोल्फ रॉथ, ग्रासमान, मैक्समूलर, टी.एच. ग्रीफिथ, ह्विटने, ए.ए. मैक्डानल, ओल्डनबर्ग, ब्लूमफिल्ड, एम. विन्टरनिज, ए. बेबर, ए. हिलेब्रान्ट, लुईस, रेनु, डब्लु केलेण्ड, जे. गोण्डा | 20 |
| घटक-4 | आधुनिक भारतीय वेदभाष्यकार– महर्षि दयानन्द सरस्वती, अरविन्द घोष, दामोदर सातवलेकर, मधुसूदन ओझा, क्षेमकरण दास त्रिवेदी, डॉ. रामनाथ वेदालंकार | 20 |

**दिशानिर्देश–**

**नोट** – 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में सें दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

**शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–**

| | | |
|---|---|---|
| घटक-1 | दो में से एक निबन्धत्मक प्रश्न अथवा 4 में से 2 टिप्पणियां | 16 |
| घटक-2 | दो में से एक निबन्धत्मक प्रश्न अथवा 4 में से 2 टिप्पणियां | 16 |
| घटक-3 | दो में से एक निबन्धत्मक प्रश्न अथवा 4 में से 2 टिप्पणियां | 16 |
| घटक-4 | दो में से एक निबन्धत्मक प्रश्न अथवा 4 में से 2 टिप्पणियां | 16 |

**अनुशंसित ग्रन्थ–**


1. वैदिक वाङ्मय का बृहद् इतिहास– भगवद्दत्त
2. वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ. कृष्ण कुमार
3. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति– डॉ. बलदेव उपाध्याय
4. वैदिक साहित्य का इतिहास (भाग–1) डॉ. जयदेव विद्यालकार
5. वैदिक साहित्य का इतिहास (भाग–2) डॉ. सुधीकान्त भारद्वाज
6. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति– वाचस्पति गैरोला

7. History of Indin Literture-M.Winternitz.
8. History of ncientsnskrit Literture-F.Mx Muller.
9. Indi of Vedic Klpsutrs-Dr. Rm Gopl.